CLASS VI

www.evidyarthi.in

विविधता एवं भेदभाव

अध्याय – 2

(प्रश्न-अभ्यास)

CLASS VI CH 2 विविधता एवं भेदभाव (NCERT)

www.evidyarthi.in

प्रश्न1. निम्नलिखित कथनों का मेल कराइए। रूढिबद्ध धारणाओं को कैसे चुनौती दी जा रही है, इस पर चर्चा कीजिए :

(क) दो डॉक्टर खाना खाने बैठे थे और उनमें से एक ने मोबाइल पर फोन करके	1. दमा का पुराना मरीज़ है।
(ख) जिस बच्चे ने चित्रकला प्रतियोगिता जीती, वह मंच पर	2. एक अंतरिक्ष यात्री बनने का सपना अंततः पूरा हुआ।
(ग) संसार के सबसे तेज धावकों में से एक	3. अपनी बेटी से बात की जो उसी समय स्कूल से लौटी थी।
(घ) वह बहुत अमीर नहीं थी, लेकिन उसका	4. पुरस्कार लेने के लिए एक पहियोंवाली कुर्सी पर गया।

www.evidyarthi.in

उत्तर:

(क) — (3)

(ख) — (4)

(ग) — (1)

(घ) — (2)

www.evidyarthi.in

प्रश्न2. लड़कियाँ माँ-बाप के लिए बोझ हैं, यह रूढिबद्ध धारणा एक लड़की के जीवन को किस तरह प्रभावित करती है? उसके अलग-अलग पाँच प्रभावों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर: जब रूढिबद्ध लोग यह सोचते हैं कि लड़कियाँ माँ-बाप के लिए बोझ हैं, यह धारणा निम्नलिखित प्रकार से एक लड़की के जीवन को प्रभावित करती है –

1.लड़की अपने आपको परिवार पर बोझ समझने लगती है जिससे वह हमेशा परेशान रहती है।

www.evidyarthi.in

2. लड़की को परिवार में उचित प्यार तथा स्नेह नहीं मिलता है।
3. लड़की के पालन-पोषण तथा खाने-पीने पर उचित ध्यान नहीं दिया जाता है।
4. लड़कियों की शिक्षा पर अधिक ध्यान नहीं दिया जाता है।
5. लड़कियों के बीमार होने पर उचित इलाज नहीं कराया जाता है।

www.evidyarthi.in

प्रश्न3. भारत का संविधान समानता के बारे में क्या कहता है? आपको यह क्यों लगता है कि सभी लोगों में समानता होना जरूरी है?

उत्तर: भारत का संविधान समानता के बारे में कहता है कि प्रत्येक व्यक्ति को समान अधिकार और समान अवसर प्राप्त हैं। लोग अपनी पसंद का काम चुनने के लिए स्वतंत्र हैं। सरकारी नौकरियों में सभी लोगों के लिए समान अवसर उपलब्ध हैं। लोगों को अपने धर्म का पालन करने, अपनी भाषा बोलने, अपने त्योहार मनाने और अभिव्यक्ति की पूर्ण स्वतंत्रता है। सरकार सभी धर्मों को बराबर महत्त्व तथा सम्मान प्रदान करेगी।